



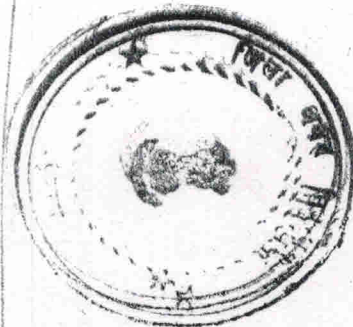
①

सच्ची प्रतिविधि

15/5/1980 ०५-६-२००१  
 पु. मिला अवा. मिवधक,  
 कुम्का ।

20  
 20  
 42  
 39  
 121 = उकसाटीसलापक

1136, 1137, 1128  
 156  
 km  
 156



km  
 156





Stamp duty  
Under Municipalities Act ..... Rs. 9.80  
Under Development Act ..... Rs. 9.60

1990-20  
36-20  
1956-00

28/10/84  
28/10/84  
28/10/84  
28/10/84

चास निवासकारी  
पिता का अधिक  
को निवास स्थान  
आदि।

श्री निधीनाथ आदयाय पिता  
स्वयं पंडित बद्धीनाथ आदयाय  
जाति आदयाय वेदना कास्तकारी  
निवासस्थान दुमका टाउन भागा

दुमका टाउन सवडिवीज्ज की रजिस्ट्री  
ऑफिस दुमका जिला दुमका, साहय

जातीय  
नाम कृष्णानन्द सिंह पिता श्री रंजित  
पिता का अधिक  
को निवास स्थान  
आदि।

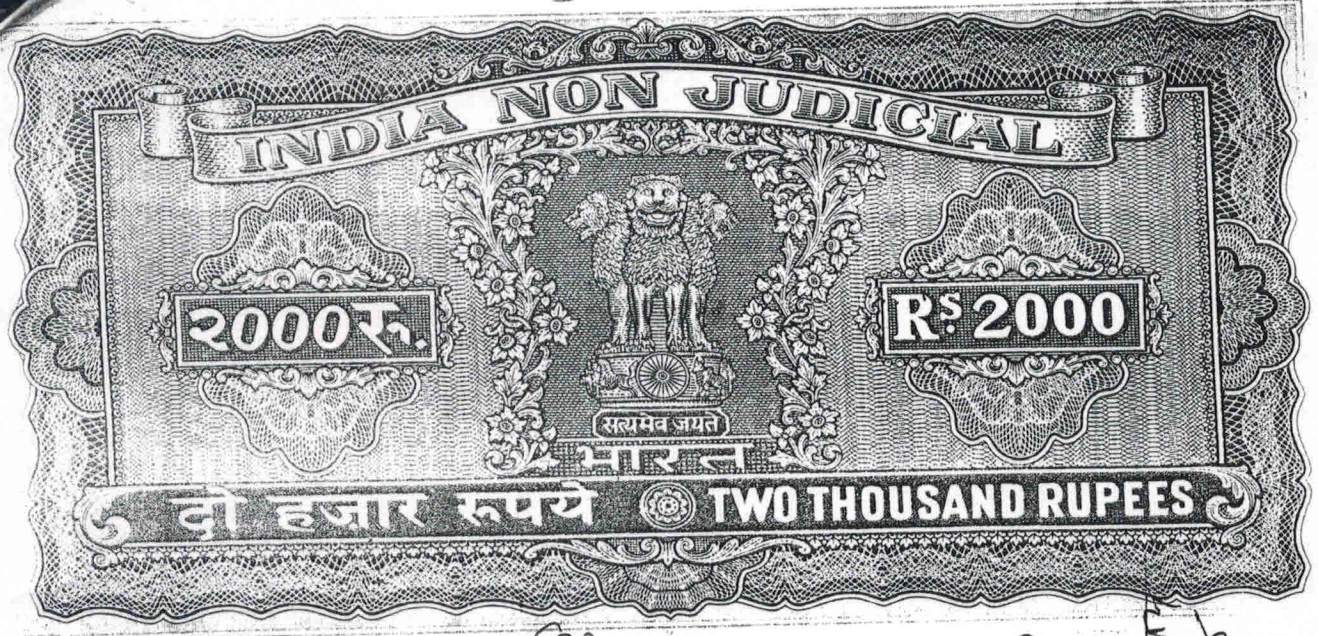
श्री कृष्णानन्द सिंह पिता श्री रंजित  
सिंह जाति राजपूत वेदना सेवी ठाढ़ी  
निवासस्थान दुमका टाउन भागा दुमका-  
टाउन सवडिवीज्ज की रजिस्ट्री

Municipal  
28/10/84

28/10/84

Am -





ऑफिस द्वारा जिला दुकान, काशी  
 जागरूक / विक्रय पत्र / Sale deed.

सम्पत्तिका मूल्य - क्र. ४८,०००/०० अडवाली का  
 हजार रुपये मात्र।

सम्पत्तिका पूर्ण विवाहात् तत्पश्चात् एक बच्चा काशी पहाड़ी  
 जैसी विक्रय गया हुआ था। तत्पश्चात्  
 कहे हैं।

को दखिल है ऑफिस द्वारा जिला दुकान  
 काशी का ६. दुकान हेतु के बच्चे हैं।  
 दुकान का पालिका बडे ११-११-११  
 गया गयी है। पुत्रे आदि पदवी है  
 बसाई आगा बंदी ग. २२ खसरा १००२  
 गया १८ अगाह का अंका। वकला  
 ०-२-६ की कहा सात पर मात्र

सातवां खसरा जोवावीर शरी।

21/08/22  
 28/08/22




(3) (4)

कुत्ता कि कागपित्र जो इस दलील के साथ संलग्न है, एवं जो सम्बन्धित भाग रंग के अंकित है जिसका योद्धि इस प्रकार है

- उत्तर - 8 फुट ब्रालु गली, वाद मकान किन्दा सिंह।
- पश्चिम - 29 फुट प्रयोग नोड।
- प्राय - इसी दालन 92 भा कंधा जिसे श्री नारायण सिंह जी के द्वारा किये हैं।
- पश्चिम - इसी दालन 92 भा कंधा जिसे श्री शिवा कुमार सिंह जी के द्वारा किये हैं।

28/01/82

निम्नलिखित क्षेत्री लोखमकार ने दालन 92 नकसा 0-10-2 सवा का कंधा कसेरी करारी पटनी वकि केला नया दुकाना नल 6 भागा द्वारा दालन को जमीनदार द्वारा स्टेट से क्यारिये पट्टा दलील के द्वारा प्राप्त किये हैं। जिस पट्टा दलील की रजिस्ट्री आशानजिस्ट्री ऑफिस के हुं है। जिसका प्रतक संख्या 9 किन्ध संख्या 2 प्रस्ट संख्या 284 से 287 के निबंधित जिसकी संख्या 289 संख्या 286 के हुं।

  
 निम्न लिखित







Muzamir Ahmad  
28/06/2018

गहूँ केगत उस धाय के बजाए  
 काफ़ खर्चीले मुल्य है, हयं आहली  
 द्वात अधोशित मुल्य के अनुसूत है  
 इसलिये कोल्पाकारी अपनी सुकुकी ब्राजी  
 से लपटाहित स्वल्प अलिख की दशा  
 के रहका केगा जवा यथाय वो बहकाव की  
 इसी के एक केगा की कुल्लाकड सिंहा  
 जी के मुल्य का कोठ ५२,००००० रूपया  
 गफ़दी पाकर अपार बलित इस वलीक  
 के स्वागा कडू की कलादी सम्पति के  
 आप केगा गहोदय की विक्रयक दिला  
 तथा एक सम्पति के अपार आप केगा  
 गहोदय के काज की लिखि लेकला  
 हीन अपनी मुल्य कला दिला। उस  
 सम्पति के कोल्पाकारी के आगतक  
 जिस क्रिक का स्वल्प, स्वागीत्व की  
 अधिका प्राप्त था। अथावा जो कुछ  
 अधिच्य के प्राप्त होता, वह लप हीन  
 इसी प्रकार आप केगा गहोदय के काज  
 की लिखि से प्राप्त हो गया। काव  
 आप आप केगा गहोदय काज की लिखि  
 से एक सम्पति के अपार काविज

३



(7)  
(4)

End of the  
business  
business

वे दायताकार सेवा के रूप में पुस्तक  
 या पुस्तक को दायता किया और तथा  
 इच्छा अनुसार दायता विकल्प आदि करें  
 यह सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है  
 इसपर किसी प्रकार का शुल्क आदि नहीं  
 है। अतः अविश्य के कारण पाया  
 जाय तो इसका हाना को विचारान्त  
 में विचार जायदाद से नहीं, तथा  
 काठगीय दायताय भी नहीं। अतः  
 अविश्य के कुछ सम्पत्ति के लिए और  
 किसी प्रकार का दायता आदि शक्ति  
 नहीं भी आयकरकता से नहीं है  
 दायता के एक लेख्यकारी अथवा दायता  
 अथवा सेवा अथवा वारिसात से रूप से  
 इस प्रकार का दायता आदि शक्ति  
 नहीं के लिये काठगीय दायता है।  
 मुख्य का सम्पत्ति रूप में  
 अथवा सेवा अथवा दायता है पाया। कुछ  
 भी बॉकी नहीं है। अविश्य के  
 मुख्य का पति के लिये के कुछ को  
 आयति में से वह बाजायत होगा।

*[Handwritten signature]*







(9)

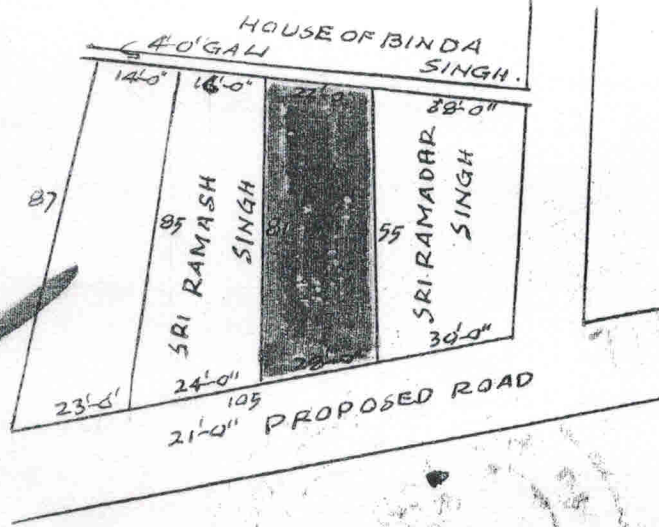
(2)

LAND OF DUMKATOWN NO 7  
 LAND SOLD BY - SRI. SIDHINATH UPADHAY  
 S/O. LATE PANDIT BADRINATH UPADHAY.  
 BOSURI. JAMA BANDINO. 22/32 PART PLOT NO 18  
 AREA B-K-D { 1692 SQ FT. (1692) MARK

PURCHASED LAND BY: SRI KRISHNA SINGH  
 S/O. SRI. RANJIT SINGH.  
 OF DUMKATOWN DUMKA.

PURCHASED LAND SHOWN IN RED [REDACTED]  
 N. SIDE 4'-0" GALL HOUSE OF BINDA SINGH.  
 AREA. B-K-D. S. " 21'-0" PROPOSED ROAD  
 0-2-3 E " LAND OF SRI. RAMA-DHAR SINGH  
 1692 SQ FT W. " SRIRAMESHKUMAR SINGH.

1692 SQ FT  
 21/03/2017



21/03/2017  
 1692 SQ FT

THE ORIGINAL PLAN IS EXACT  
 AND TRUE COPY OF THE DUPLICATE  
 PLAN.  
 T. B. S. A. 22/1/14

T. B. S. A.













(2)

डुमका जिला डुमका भारतीय नागरिक  
 निरपराध - विक्रय पत्र / Sale deed.  
 सहायिका मुख्य - कोठ 52,000/00 अन्वयार्थी  
 हजार रुपये का नाम ।  
 सहायिका पूर्णतः सफलिक हुक बर्यादी कारणी  
 विकला (जिसे) पडती गय कुल हुक की हुक  
 विकला कले है कोठे गेजा गया डुमका थाना  
 गुरुकुवाट डुमका वि विक्रय पत्रा यथा  
 सब विक्रय के बजिले ओफिस डुमका  
 जिला डुमका । विजीक ६ डुमका ६२२३  
 की है अजार डुमका का पालिका  
 कीड का १२ बाटडी के गेजा गये है कुंके  
 जारिक पडती है बर्यादी जगा की १२  
 बरस १९९२ गेजा १२ अठारु का कना  
 बरसा ०-२-६ की कना कः ह पू गम  
 सात्ताग रपताग कोषवीड डरादी  
 अवादि गेजायि जो इस बर्यादी

25/06/20  
 13311270000



21/06/28c  
Muzumdar (Muzumdar)

(4)

(3)

साथ चलता है. एवं जो समूहों  
काक रंग से संक्रित है किछका  
चौददि इस प्रकार है

उक्ति : - "६" फुट खास जमी. काट  
मकान विद्या सिंह ।

चक्रिया : - "२९" फुट प्रपोज नोड

पुलक : - डली कागण १२ का केका  
जिससे श्री रेखा कुका सिंह जी  
ने क्रय किये हैं ।

परिचय : - पानी जमीन

निर्वाचित से कि लिख्यकारी ने  
कोजा मगा दुकान. ६ चामा दुकान-  
राक का कागण १२ तथा  
०-२-५ सवा गा कडा वरिष्ठी काली  
ने- जमीनदार दुकान इस्ट से लक्ष  
किये हैं । जिस पर वरिष्ठी रजिस्ट्री  
दुकान रजिस्ट्री ऑफिस के हुके हैं

जिसका कुल नंबर १ विरुद्ध संका २-  
पुलक संका ४४५ से ४४६ के विवक्षित

जिसकी संका २५१ सं. १४४६ के हैं  
यह लिख्यकारी की स्वयंसाक्षित



21/06/2018

विद्यार्थी

सम्पत्ति है, एवं विक्रय आदि करके या  
पूरी अधिकार प्राप्त है, यह सम्पत्ति  
किसी आदमी के दायर में अथवा किसी  
विक्रय आदि के यत्न में नहीं है, एवं  
सम्पत्ति सम्पत्ति आदि अथवा अन्य  
द्वारा नहीं आ रही है।


युक्त सम्पत्ति को अथवा  
अथवा यह आदि विचारों के अन्तर्गत  
अथवा किसी संसारीय कार्यों के अन्तर्गत  
अथवा किसी कार्यप्रणाली है, जो कि किसी  
विक्रय आदि अथवा अन्य आदि अथवा  
अथवा यह अथवा अन्य अथवा अन्य  
का अथवा अथवा 2-2-4 अथवा अथवा  
अथवा के अथवा अथवा अथवा  
है, इस अथवा अथवा अथवा  
₹ 1,00,00,00 अथवा अथवा अथवा  
अथवा के विक्रय अथवा अथवा  
अथवा। अथवा अथवा अथवा  
अथवा अथवा अथवा अथवा  
अथवा अथवा अथवा अथवा  
अथवा, अथवा अथवा अथवा  
अथवा के अथवा अथवा अथवा  
अथवा अथवा अथवा अथवा

100



28/10/2018

बन्ना गर सब्कोर्य मूल्य है, एवं  
 अकारिता द्वारा नियमित मूल्य के  
 अनुसार है। इसलिये लोख्यकारी  
 अपनी इच्छा रागी से पुख्खारि  
 स्वस्थ मस्तिष्क की देना के बहक  
 देना गया, देना के बहक प्रिरी  
 इसे के के देना थी अगिल कुमा  
 सिंह जी के मूल्य का जो 52,000,00  
 अपना बकरी जाका उपा बर्णित इस  
 पाल के शपाना जो 2 की बर्णित समय  
 को भाष देना कसेय को विक्रय दे  
 दिका। तथा उक्त समय के अण  
 भाष देना कसेय को भाष की  
 विधि से कला वीर आपने तुल्य  
 कला दिका। इस समय के  
 लोख्यकारी को आज तक जिस प्रिरी  
 का स्वत्व, स्वागीत्व को अधिकत  
 रूप था, अथवा जो कुछ अवस्थ के  
 रूप देना, वह सब वीर उनी प्रकार  
 आज की विधि से भाष देना कसेय के

  
 28/10/2018



11/06/2020  
Munim Chowdhury

ज्ञान हो गया था था क्या  
महोदय का क की विधि से छु  
सम्पत्ति के अथवा काविक को दायम  
होकर को रहकर पुत्र या पुत्र को  
दायम किया है । तथा उत्पाद  
यात्रा, विप्रेय आदि है को सुहादि  
काठ निर्माण कर में । इसके एक निष्प-  
कारी मग वारीसक को मविश्य के  
किसी किसक का कुछ कापति गही होगा

मह सम्पत्ति समी प्रकार से स्वच्छ  
है इसपर किसी प्रकार का भ्रम आदि  
गही है । अथवा मविश्य के बादि  
काया जाय कायावा और किसी किसक  
का दोष पकट सेय मिलके करण  
आप देता मग वारीसक को इस स्थिति  
से कायावा बसके किसी कंसा से बंधन  
से जाया पड़े ले के हागत के एक  
निष्पकारी मग वारीसक कुछ हरण  
को खोला मग वडि पर है

मुख्य का सम्पत्ति सम्पत्ति  
महोदय से पाया । कुछ भी चौकी  
गदी नही मविश्य के मुख्य

by



(6) (8)

28/01/82  
Ramesh Kumar

जो कि के बीच के उक्त को आवृत्ति  
करे तो वह गणायन होगा। अथ  
अथ किता गरीब को याद दिये कि  
उक्त सभ्यता के लिए केंद्र का कामकाज  
हुआ है केंद्र पर पत्र देकर अपना  
गमक याद दिये अवधि कसा के तब  
सातवाग सचवाग बादि गमक से अपी  
दिना है।

गह सब प्रकार कट देना  
गह विक्रय पर वहक अथ केना भी  
अधिक हुआ सिद्ध किया। अथक हुआ -  
टाकक वाकि जी के प्रति तदी के  
वासीक का दिना। जी प्रवाणा है  
तथा साय पर गमक अथि। उक्त  
काक ताद 28-70-72-73

काक दिना प्र. दिना. 03/01/82  
सा. हुआ का का 14/01/82  
हुआ दिना

28/01/82

Handwritten signature at the bottom left.

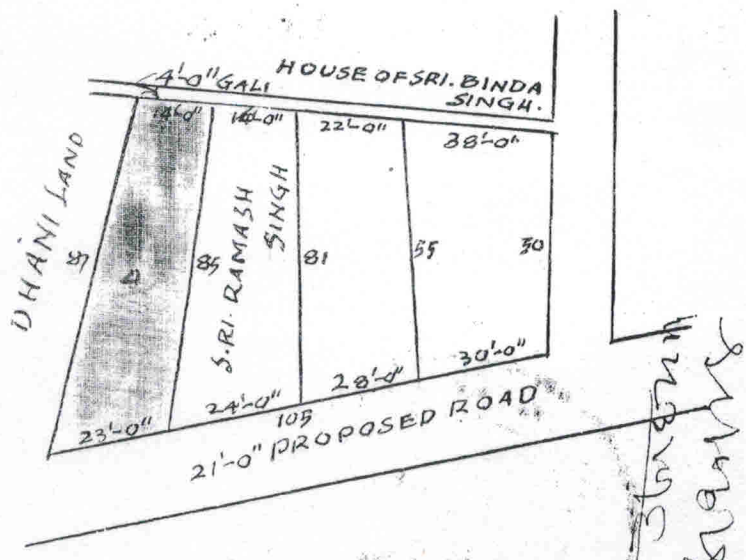


LAND OF DUMKA TOWN NO 7  
 LAND SOLD BY SRI. SIDHINATH UPADHAY  
 S/O LATE PANDIT BADRINATH UPADHAY  
 BOSURI JAMA BANDINO  $\frac{22}{32}$  PART PLOT NO 18  
 AREA B-K-D { 1656 SQ. FT.  
 O-2-5 { 1656

LAND PURCHASED BY SRI. ANIL KUMAR SINGH  
 S/O. SRI. RAJASHAR SINGH.  
 DUMKA TOWN, DUMKA.

PURCHASED LAND SHOWN IN RED.   
 N. SIDE 4'-0" GALI.  
 S. " PROPOSED ROAD.  
 B-K-D. E. " 12'-0" PROPOSED ROAD.  
 O-2-5. W. " DHANI LAND.  
 2. U. T. H. & D. I. U.  
 1656 SQ. FT.  
 1656

21/01/20  
 22/01/20  
 23/01/20  
 24/01/20  
 25/01/20  
 26/01/20  
 27/01/20  
 28/01/20  
 29/01/20  
 30/01/20  
 31/01/20  
 01/02/20  
 02/02/20  
 03/02/20  
 04/02/20  
 05/02/20  
 06/02/20  
 07/02/20  
 08/02/20  
 09/02/20  
 10/02/20  
 11/02/20  
 12/02/20  
 13/02/20  
 14/02/20  
 15/02/20  
 16/02/20  
 17/02/20  
 18/02/20  
 19/02/20  
 20/02/20  
 21/02/20  
 22/02/20  
 23/02/20  
 24/02/20  
 25/02/20  
 26/02/20  
 27/02/20  
 28/02/20  
 29/02/20  
 01/03/20  
 02/03/20  
 03/03/20  
 04/03/20  
 05/03/20  
 06/03/20  
 07/03/20  
 08/03/20  
 09/03/20  
 10/03/20  
 11/03/20  
 12/03/20  
 13/03/20  
 14/03/20  
 15/03/20  
 16/03/20  
 17/03/20  
 18/03/20  
 19/03/20  
 20/03/20  
 21/03/20  
 22/03/20  
 23/03/20  
 24/03/20  
 25/03/20  
 26/03/20  
 27/03/20  
 28/03/20  
 29/03/20  
 30/03/20  
 31/03/20  
 01/04/20  
 02/04/20  
 03/04/20  
 04/04/20  
 05/04/20  
 06/04/20  
 07/04/20  
 08/04/20  
 09/04/20  
 10/04/20  
 11/04/20  
 12/04/20  
 13/04/20  
 14/04/20  
 15/04/20  
 16/04/20  
 17/04/20  
 18/04/20  
 19/04/20  
 20/04/20  
 21/04/20  
 22/04/20  
 23/04/20  
 24/04/20  
 25/04/20  
 26/04/20  
 27/04/20  
 28/04/20  
 29/04/20  
 30/04/20  
 01/05/20  
 02/05/20  
 03/05/20  
 04/05/20  
 05/05/20  
 06/05/20  
 07/05/20  
 08/05/20  
 09/05/20  
 10/05/20  
 11/05/20  
 12/05/20  
 13/05/20  
 14/05/20  
 15/05/20  
 16/05/20  
 17/05/20  
 18/05/20  
 19/05/20  
 20/05/20  
 21/05/20  
 22/05/20  
 23/05/20  
 24/05/20  
 25/05/20  
 26/05/20  
 27/05/20  
 28/05/20  
 29/05/20  
 30/05/20  
 31/05/20  
 01/06/20  
 02/06/20  
 03/06/20  
 04/06/20  
 05/06/20  
 06/06/20  
 07/06/20  
 08/06/20  
 09/06/20  
 10/06/20  
 11/06/20  
 12/06/20  
 13/06/20  
 14/06/20  
 15/06/20  
 16/06/20  
 17/06/20  
 18/06/20  
 19/06/20  
 20/06/20  
 21/06/20  
 22/06/20  
 23/06/20  
 24/06/20  
 25/06/20  
 26/06/20  
 27/06/20  
 28/06/20  
 29/06/20  
 30/06/20  
 01/07/20  
 02/07/20  
 03/07/20  
 04/07/20  
 05/07/20  
 06/07/20  
 07/07/20  
 08/07/20  
 09/07/20  
 10/07/20  
 11/07/20  
 12/07/20  
 13/07/20  
 14/07/20  
 15/07/20  
 16/07/20  
 17/07/20  
 18/07/20  
 19/07/20  
 20/07/20  
 21/07/20  
 22/07/20  
 23/07/20  
 24/07/20  
 25/07/20  
 26/07/20  
 27/07/20  
 28/07/20  
 29/07/20  
 30/07/20  
 31/07/20  
 01/08/20  
 02/08/20  
 03/08/20  
 04/08/20  
 05/08/20  
 06/08/20  
 07/08/20  
 08/08/20  
 09/08/20  
 10/08/20  
 11/08/20  
 12/08/20  
 13/08/20  
 14/08/20  
 15/08/20  
 16/08/20  
 17/08/20  
 18/08/20  
 19/08/20  
 20/08/20  
 21/08/20  
 22/08/20  
 23/08/20  
 24/08/20  
 25/08/20  
 26/08/20  
 27/08/20  
 28/08/20  
 29/08/20  
 30/08/20  
 31/08/20  
 01/09/20  
 02/09/20  
 03/09/20  
 04/09/20  
 05/09/20  
 06/09/20  
 07/09/20  
 08/09/20  
 09/09/20  
 10/09/20  
 11/09/20  
 12/09/20  
 13/09/20  
 14/09/20  
 15/09/20  
 16/09/20  
 17/09/20  
 18/09/20  
 19/09/20  
 20/09/20  
 21/09/20  
 22/09/20  
 23/09/20  
 24/09/20  
 25/09/20  
 26/09/20  
 27/09/20  
 28/09/20  
 29/09/20  
 30/09/20  
 01/10/20  
 02/10/20  
 03/10/20  
 04/10/20  
 05/10/20  
 06/10/20  
 07/10/20  
 08/10/20  
 09/10/20  
 10/10/20  
 11/10/20  
 12/10/20  
 13/10/20  
 14/10/20  
 15/10/20  
 16/10/20  
 17/10/20  
 18/10/20  
 19/10/20  
 20/10/20  
 21/10/20  
 22/10/20  
 23/10/20  
 24/10/20  
 25/10/20  
 26/10/20  
 27/10/20  
 28/10/20  
 29/10/20  
 30/10/20  
 31/10/20  
 01/11/20  
 02/11/20  
 03/11/20  
 04/11/20  
 05/11/20  
 06/11/20  
 07/11/20  
 08/11/20  
 09/11/20  
 10/11/20  
 11/11/20  
 12/11/20  
 13/11/20  
 14/11/20  
 15/11/20  
 16/11/20  
 17/11/20  
 18/11/20  
 19/11/20  
 20/11/20  
 21/11/20  
 22/11/20  
 23/11/20  
 24/11/20  
 25/11/20  
 26/11/20  
 27/11/20  
 28/11/20  
 29/11/20  
 30/11/20  
 01/12/20  
 02/12/20  
 03/12/20  
 04/12/20  
 05/12/20  
 06/12/20  
 07/12/20  
 08/12/20  
 09/12/20  
 10/12/20  
 11/12/20  
 12/12/20  
 13/12/20  
 14/12/20  
 15/12/20  
 16/12/20  
 17/12/20  
 18/12/20  
 19/12/20  
 20/12/20  
 21/12/20  
 22/12/20  
 23/12/20  
 24/12/20  
 25/12/20  
 26/12/20  
 27/12/20  
 28/12/20  
 29/12/20  
 30/12/20  
 31/12/20



THE DUPLICATE PLAN IS EXACT  
 AND TRUE COPY OF THE ORIGINAL  
 PLAN.  
 T.P.Y. S. 16/22/1994

*(Signature)*  
 by P. S. S. S.





①

सच्ची शतिलिपि

157601 गुण-वा. जे.वा.  
 श्री शिवा अकर निवधक,  
 कुमिका

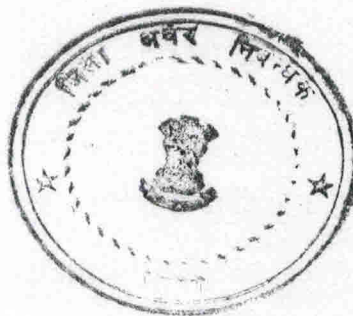
121/ - ल.क.रा. ए.का.रा. ल.का.रा.  
 118/का.114/का.114/का.  
 156  
 km  
 75.6

121/ - ल.क.रा. ए.का.रा. ल.का.रा.

118/का.114/का.114/का.

156

km  
75.6



km 157027.01  
 157601



H. Sale @ 4,800/- ps. 9-22-77 5000RS.



Stamp duty Paid under I. S. Act 1899 R4. 5000-00  
 Under Municipal Act 1925 S. 117 160-00  
 Under Development Act 1956 160-00

1970-70 7000-00

1956-00 36-00

1956-00

8 Mobile  
 8 Mobile  
 8 Mobile  
 8 Mobile

गमलेस्थकारी  
 पिता का नाम  
 निवास  
 स्थान आदि।

श्री सिद्धिनाथ उपाध्याय पिता स्वर्गीय  
 पंडित बंसीनाथ उपाध्याय जाति ब्रह्मण्य  
 पिता कार्तिकारी निवासस्थान दुमकाटा एक  
 थाना दुमकाटा एक सपडिवीजन की  
 नजिदरी ऑफिस दुमका जिला दुमका  
 भारतीय नागरिक।

8 Mobile  
 8 Mobile  
 8 Mobile

नाम पिता  
 पिता का नाम  
 निवास स्थान  
 आदि। 2

श्री रमेश कुमार सिंह पिता श्री रंजित  
 कुमार सिंह जाति राजपूत पिता सैनी  
 आदि उपस्थित वास स्थान दुमकाटा एक  
 थाना दुमकाटा एक सपडिवीजन की  
 नजिदरी ऑफिस दुमका जिला दुमका।  
 भारतीय नागरिक। 2

8 Mobile  
 8 Mobile  
 8 Mobile





(2)

लेख्य प्रकार - - विक्रय पत्र / Sale deed.

सम्पत्ति का मूल्य: - कां० ४८,०००)०० अज्ञानालीका  
द्वारा खपेयां गात्र /

सम्पत्ति का प्रकार - तफसील एक बलाड़ी करणी पडती  
जबवाला जिले मय कुल एक के एकुक कोक गज्जा:  
विक्रय नलि है / नया युक्त का बागा न० ८ / वाठुका पार्स

S. M. S. J. P. M. S. J. P. M. S. J. P. M. S. J. P.

दुका नये बला पता चाना सब जिकर  
न बजिहरी ऑफिस दुका जिला दुका  
गांज / न० ६ दुका स्टेट के कोक है / अप्प  
दुका बजरपालिका कोड न० १२ टारपींग  
काय गही है फुके जगह पडती है /  
नलि जगाबदी न० २२ बलसरा पगांर  
गवर् १८ कगाह का कंदा / नकवा  
०-२-६ को कदा कःह पुर मय / हाकाका  
खजाना गोवाकीन रलादी / उवाविकु



मान चित्र जो इस दलील के साथ संलग्न है, एवं जो सम्पूर्ण आकाश को केंद्रित है। जिसका पोट्टि इस प्रकार है।

उत्तर - ४ फीट फुल श्याम गायी, बाद गफाक की बेवदा सिंह।

दक्षिण - "२१" फुल पपीज नोड।

पुष - इसी दोग न० १८ का कंदा जैसे श्री कुसणाकदु सिंही के क्रय किये हैं।

पश्चिम - इसी दोग न० १८ का कंदा जैसे श्री अमीक कुमा सिंही के क्रय किये हैं।

11/10/2018  
Laxman Singh

विशदित है कि लिख्यकारी के दोग न० १८ वाले गेजा नाम दुगना न० ७) धामा दुगना टाका के खया ०-०-५ गेजा कहा पंच पूर बलही करानी श्री जमीनवा दुगना टाका सिंजरीये पक्ष दलील के द्वारा प्राप्त किये हैं। जिस पक्ष दलील श्री कजिहरी दुगना रजिहरी को फिल के हुके हैं। जिसका फुलक खया १ जिम्मे खया २ फुल खया ५५५ से ५५० के विषयगत जिम्मे खया २५१ एवं १०४६ है। यह सम्पत्ति लिख्यकारी की स्व अर्जित सम्पत्ति है, एवं विक्रय आदि करके प्रा

↓  
[Signature]  
[Name]

(5)

(8)

पूजा अधिकार प्राप्त है। सम्पत्ति लेख्य-  
कारी के दायर में गणना के निर्विवाद  
के निर्विवाद चलाया जा रहा है। लेख्यकारी  
को उक्त सम्पत्ति के अलावा अलग स्वत्व है  
एवं सामान्य रजिस्ट्रार आदि गणना से अपेक्षा  
करी नहीं जाये।


R. N. J. 106/1987  
 Registrar  
 Patna

यह कि लेख्यकारी को उक्त  
अपत्त गृहादि भिन्न-भिन्न के लिखे-  
तका दिना संसारीक कार्यों के लिखे  
संपत्ति को आवश्यकता है, जो विना  
लिखे विक्रय उक्त सम्पत्ति के संपत्ति  
का किमाना करीब है। उदाहरण उक्त  
सम्पत्ति कुल विक्रय मानचित्र के जो  
संलग्न है, एवं जो समुदाय लोक  
रज से को कर है जो जो 6200000  
काइतालीक प्रकार संपत्ति कुल के विक्रय  
कर के का. सादर किया। लेख्यकारी  
के इस कुरादा को जायक काय  
किया श्री रजिस्ट्रार कुल सिंह जी के उक्त  
सम्पत्ति को दस; एवं जो 6200000



S. M. S. 10/10/19

काइलाजी का हजार स्वयंभू मूल्य के लिये  
 को के लिये मस्तुत हुआ कि  
 से साथ के हजार का सर्वोच्च मूल्य  
 है, एवं साहसों द्वारा किये गये मूल्य  
 के आकार है। उस लिये लक्ष्यकारी  
 अपनी कृपा काजी से प्रसन्न हो विवेक  
 कस्तिस्क को दशा के रहकर केला जसा  
 दबाव को बटकाव किया हुआ है  
 केला श्री शिवा कुमा सिंह जी के मूल्य  
 का मात्र ४००००० रूप्यमात्र करी पाकर  
 अपर वर्णित उस दशा के स्वयंभू  
 की बराबरी शक्ति को आप केला मदीय  
 को प्रकृत कर दिया। तथा एक शक्ति  
 के अपर आप केला मदीय को आज  
 की विवेक से कसा कि अपर मूल्य  
 का दिया। उस शक्ति के लक्ष्यकारी  
 को आज तक कि कि कुछ श स्वयं  
 स्वामीत्व के अधिकार प्राप्त था अथवा  
 जो कुछ मदीय के प्राप्त केला वह सब  
 कि उरी प्रकार आप केला मदीय को  
 आज की विवेक से प्राप्त हो गया।

  
 वा. वि. सु. वि.

आप आप देना मेरीय आज की लोच से  
 कुछ समझने के लिए काफिर को देखकर  
 मेरे को बहक पुनः दो पुनः मेरा बल  
 जगता है। तथा इच्छा भुला पाठ विद्वय  
 आदि है। यह समझने समीपका से  
 स्वच्छ है। उसपर किसी प्रकार का शुरु  
 आदि गयी है। अतः कविस्य के वाक्य  
 पाया जाय तो उक्त राजा के लिये  
 जात की दिना जायदाद से देनी तथा  
 काव्यीय दक्षीय भी देनी। अतः उक्त  
 समझने के लिए आप किसी क्रिम का  
 दलील आदि नजिदही के को आपश्यकता  
 है न- कले हाकात के एक किरणकारी  
 मय वादीकाक आप देना मय कारिसी  
 के मय से उक्त वह का दलील आदि  
 विद्याका के के किचे काव्यीय वाक्य  
 देनी। अतः का समुका रूप का  
 आप देना मेरीय से पाया। कुछ  
 भी बौकी गयी नही। कविस्य के  
 मूल्य न- पाके के वाक्य के उक्त  
 के आपत्ति है। नो वह गोजायन  
 होगा। आप आप देना मेरीय को

RMLBART  
 RMLBART

  
 by RMLBART



पुस्तक संख्या 281901/182

पाहिये कि उक्त समिति ने किफायत  
 कार्यालय द्वारा से अपेक्षित पत्र देकर अपना  
 नाम वापस स्वीकृत किया है। तथा  
 वार्षिक राजस्व आदि नाम से अपेक्षित  
 दौरे। एवं गणपतिना के कार्यालय  
 द्वारा से भी अपना नाम पत्र देकर  
 गणपतिना कर आदि नाम से अपेक्षित  
 दिया है। यह सब प्रकार के कर  
 मह विभाग पत्र वक्त अपेक्षित भी है।  
 मुगल सिंह विवास स्थान मुगलवाड़ा ठक  
 वारी जी के प्रति सद्व्यवहार की तारीफ  
 कर दिया। जो प्रकल्प है तथा समय  
 पर काम आवे। कति मात्र बारीक  
 28-90-2028

का. रीक्षा प्र. सिद्धा. उ. उ. उ.  
 सा. मुगलवाड़ा ठक, प. क.  
 मुगल सिंह  
 281901/182



(9)

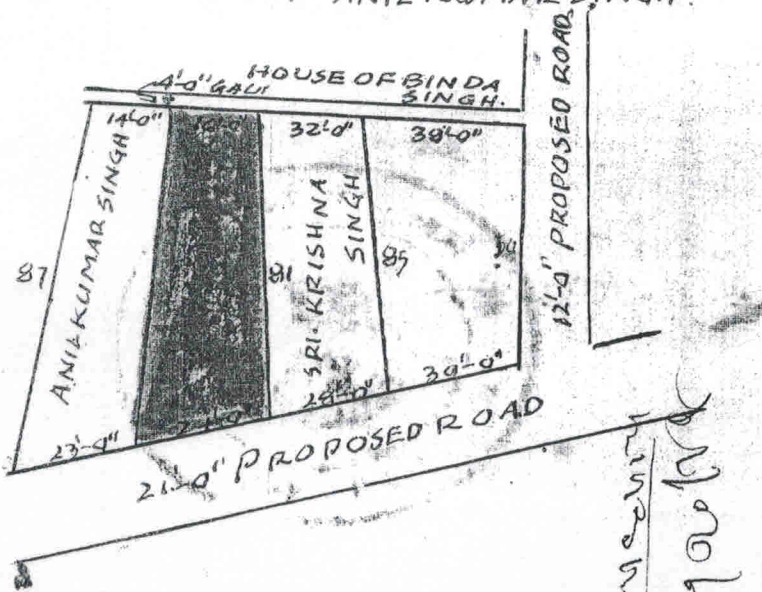
(3)

LAND OF DUMKA TOWN NO 7  
 LAND SOLD BY SRI. SIDHINATH UPADHAY  
 S/O LATE PANDIT BADRI NATH UPADHAY  
 BOSURI. JAMA BANDI NO 22/32 PART PLOT NO 18  
 AREA B-K-D  
 0-2-5 { 1620 SΦFT.

LAND PURCHASED BY = SRI RAMASH SINGH KUMAR  
 S/O. RANJIT SINGH  
 DUMKA TOWN DUMKA.  
 AREA B-K-D  
 0-2-5  
 PURCHASED SHOWN IN RED

N. SIDE 4'-0" GALT AND HOUSE OF BINDA SINGH  
 S. 21'-0" PROPOSED KRISHNA SINGH ROAD.  
 E. KRISHNA SINGH  
 W. SRI ANIL KUMAR SINGH.

SRI ANIL KUMAR SINGH



SRI ANIL KUMAR SINGH

THE DUPLICATE PLAN IS EXACT AND TRUE COPY OF THE ORIGINAL PLAN.  
 T. B. S. # 22/199



①

सच्ची सविधिपि  
 २५-५-२००८  
 जिला अवर निबंधक,  
 दुमका।

२०  
 ३०  
 ५२  
 ३१

1211 किलोमीटर  
 1120 1136 1137  
 156  
 km  
 156



जिला अवर निबंधक

25-5-08





Stamp duty Paid under I. S. Act 1899 Rs. 5080-00  
Under Marketing Act of 1913 .. 260-00  
Under Development Act .. Rs. 260-00

paid  
1920-20

36-00  
1956-00

7000  
24/10/56  
28/10/56

नाम लेख्यकारी,  
पिता का नाम व  
निवास स्थान आदि।

श्री सिद्धीनाथ उपाध्याय पिता स्व पंडित बट्टी नाथ  
उपाध्याय, जाति ब्राह्मण, पेशा कास्तकारी, निवास  
स्थान दुमका टाउन, थाना दुमका टाउन, स्वडिवीजन  
वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला दुमका ।

नाम क्रेता,  
पिता का नाम व  
वास स्थान आदि।

श्री रामाधार सिंह पिता श्री राम जनम सिंह, जाति  
राजपूत, पेशा खेती आदि, निवास स्थान विश्रामपुर,  
थाना इमामगंज, जिला गया, उपस्थित वास स्थान  
दुमका टाउन, थाना, स्वडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस  
दुमका जिला दुमका ।

लेख्य प्रकार :-

विक्रय पत्र ( सेल डीड ) ।

अबले  
24/10/56  
28/10/56

अबले  
24/10/56  
28/10/56

*(Signature)*  
24/10/56





( २ )

सम्पत्ति का मूल्य :-

मो० ४८,०००/- ( अड़तालिस हजार रुपये ) मात्र ।

सम्पत्ति का पूर्ण  
विवरण निरोक्त  
करते हैं :-

तफसोल हक बसोड़ी अराजि पदती मय कुल हक वो  
हकक वाके मौजा नया दमका नं-७, तालूक घाट  
दमका, तपो बेलपत्ता, थाना, साडिवीजन वो रजिष्ट्री  
औफिस दमका जिला दमका, तौजी नं ६ दमका  
स्टेट के वाके है अवर दमका नगरपालिका वार्डनं-१२  
होडिंग नवर नहीं है चूके जमीन पदती है । बसोड़ी  
जमाव्दी नं-~~३३~~<sub>३२</sub> खसरा प्लोटनं १८ (अठारह )

का अंश, रकवा ०-२-६ ( वो कटठा छः धूर )

मात्र, सालाना खजाना मुताबिक रसौदी, मुताबिक मानचित  
जो इस वलील के साथ स्वंगन है एवं जो सम्पूर्ण  
खाल रंग रो अकित है, जिसका चौहद्दी इस प्रकार है :-

उत्तर :- ४ फुट खास गली बाद मकान किदा सिं ।

दक्षिण :- २१ फुट प्रीपोज रोड ।

पूरव :- १२ फुट प्रीपोज रोड ।

पश्चिम :- इसी वाग नं १८ का अंश जिसे श्री कृष्णानन्द  
जी ने कृय की है ।

विदित हो कि लेख्यकारी ने बसोड़ी अराजि पदती रकवा  
०-२-६ वाके मौजा नया दमका नं-७, तालूक घाट दमका,

K. S. Singh  
 22/1/2018

K



(4)

( ३ )

धाना दुमका टाउन, के अंदर दाग नं १८ को जमींदार दुमका स्टेट से बजरियो पटव वलील के द्वारा प्राप्त किये है, जिस पटवा वलील को रजिस्ट्री दुमका रजिस्ट्री ऑफिस में हुई है, जिसका पुस्तक संख्या-१, जिद सं-२, पृष्ठ संख्या ४४५ से ४४९ में निबंधित जिसकी संख्या २६१ सन १९४७ है। यह संपत्ति लेख्यकारी की स्व-उपाजित संपत्ति है एवं विक्रय आदि करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। संपत्ति लेख्यकारी के दखल बो कब्जे में निबंधन बो निर्विवाद चला आ रहा है। लेख्यकारी को उक्त संपत्ति में उक्ता अटूट स्वत्व है एवं खाना खजाना आदि नाम से अपने देते चल आ रहे है।

यह कि लेख्यकारी को अभी अत्यंत गृहादि निर्माण कराने के लिए एवं वेगर सांसारिक कामों के लिए रुपये की आवश्यकता हो गयी है वो बेला किए विक्रय उक्त बसोड़ी अराजे रकवा ०-२-६ अंदर नया दुमका नं-७, धाना दुमका टाउन, दाग नं १८ मूलाविक मानचित्र जो इस वलील के साथ संलग्न है एवं जो संपूर्ण बाल रंग से अंकित है, के रुपये का मिलना कठिन है। इसलिए उक्त संपत्ति को मो० ४८,०००/- रजपा मूल्य में विक्रय करने का सोहरत किया। लेख्यकारी के इस इरव को जानकर आप कुंता श्री रामाधार सिंह पिता श्री रामजन्म सिंह, उपस्थित निवास स्थान दुमका टाउन, वाले जी ने उक्त संपत्ति को देखा एवं मो० ४८,०००/- रज मूल्य में कृपे करने के लिए प्रस्तुत हुए। यह कीमत इस समय के बाजार का सर्वोच्च मूल्य है एवं समाहर्ता द्वारा निर्धारित मूल्य के अनुसार है। इसलिए लेख्यकारी अपनी राजी खुशी से प्रसन्नचित स्वस्थ मस्ति की दशा में रहकर बेला जवर दबाव बो वत्काव किसी दूसरे के उक्त कुंता श्री रामाधार सिंह जी से मूल्य का मो० ४८,०००/- रज नगदी पाकर उपर वर्णित इस वलील के खाना नं ५ की बसोड़ी संपत्ति को आप कुंता महोदय को विक्रय कर दिया तथा उक्त संपत्ति के उपर आप कुंता महोदय को आज की तिथि से कब्जे टांक अपने तूल्य करवा

Handwritten signature/initials on the right side of the page.

Handwritten signature at the bottom center of the page.

Handwritten text at the bottom center of the page.

( 5 )

( 8 )

दिया । इस संपत्ति में लेख्यकारीको आज तक जिस किस का स्वत्व , स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वह सब टिक उसी प्रकार आप कौता महोदय को आज की तिथि से प्राप्त हो गया । अब आप कौता महोदय आज की तिथि से उक्त संपत्ति को उपर का विज वो देखकार होकर वो रहकर पुस्त-दर-पुस्त भोग देखल किया करे तथा इच्छानुसार वन , विपुष आदि करे । यह संपत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है । इस पर किसी प्रकार का ऋण आदि नहीं है और न ही किसी अन्य व्यक्ति के पास मोरगेज आदि ही दिया है । यह संपत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है । अगर भविष्य में इस संपत्ति पर अथवा इसके किसी अंश पर किसी किस का ऋण आदि अथवा और किसी किस का दोष पाया जाय जिस्के कारण आप कौता मय वारिसान को इस संपत्ति से अथवा इसके किसी अंश से बेखल हो जाना पड़े तो वे से हालत में हम लेख्यकारी मय वारिसान आप कौता मय वारिसान को कुल मूल्य व्यय ब्याज सहित लौटा देने के लिए अनूनी बाध्य रहेगे । कहने का मतलब यह है कि संपत्ति हरेक वारदेन पाक साफ है । इसमें किसी किस का वारदेन नहीं है । यह संपत्ति लेख्यकारी के स्वउपाजित संपत्ति है । इसमें कोई दूसरा भागीदार नहीं है । इस संपत्ति के लेकर भविष्य में यदि और किसी किस का दलील आदि बनवाने की आवश्यकता पड़े तो वे से हालतमें हम लेख्यकारी मय वारिसान आप कौतामय वारिसान के खर्च से उस तरह का दलील आदि निष्पादन करने के लिये कानूनी बाध्य रहेगे ।

यह कि इस संपत्ति के लेकर जिस किस का कागजात दलील , रसीद आदि हम लेख्यकारी के पास था वह सब आप कौता महोदय को दे दिया ।

मूल्य का संपूर्ण रक्कम कौता महोदय से पाया । कुछ भी बक्री नहीं रहा । भविष्य में मूल्य न पाने के वारे में उजूर वो आपत्ति करे तो वह नाजपज होगा ।

अब आप कौता महोदय को चाहिए उक्त संपत्ति के लेकर

Amrinder Singh  
Lawyer

  
Amrinder Singh



अच्छा कार्यालय दुमका में आवेदन पत्र देकर अपना नाम लिखल  
 खरीज करवा लेगे तथा वार्षिक राजस्व आदि नाम से अपने विद्या  
 करेगे। एवं स्वाम अदालत द्वारा नकशा पास करवा कर गृहादि निर्माण  
 करेगे एवं नगरपालिका के कार्यालय दुमका में भी अपना नाम दर्ज  
 करवा कर नगरपालिका कर आदि नाम से अपने विद्या करेगे।

यह सब एकरार कर देकर यह विधि पत्र बहक  
 आप कृता श्री रामाधार सिंह पिता श्री रामजन्म सिंह, निवास स्थान  
 दुमका टाउन, थाना, सडिवीजन वो रजिस्ट्री औफिस दुमका जिला  
 दुमका वाले जी के प्रति तहरीर वो तामिलकर विद्या जो प्रमाण रहे  
 तथा समय पर काम आवे। इति आज तारीख २४-१०-९४ ई०।

Kishan Kumar  
 28/10/94

टंकित किया,  
 म.स.स.  
 टंकक, दुमकाकोर्ट।  
 24.10.94

टंकित की हुई इस विक्रयपत्र  
 को यदकल चुका दिया है  
 जिसेके केरे शाकरी कापका  
 हस्ताकर किचे है

काट जोश सफ सिम डिडनोडप  
 सा. दुमकाकोर्ट  
 28/10/94

by [Signature]

(7)

(1)

LAND OF DUMKA TOWN NO 7

LAND SOLD BY:- SRI. SIDHINATH UPADHAY  
S/O LATE PANDIT BADRI NATH-  
UPADHAY

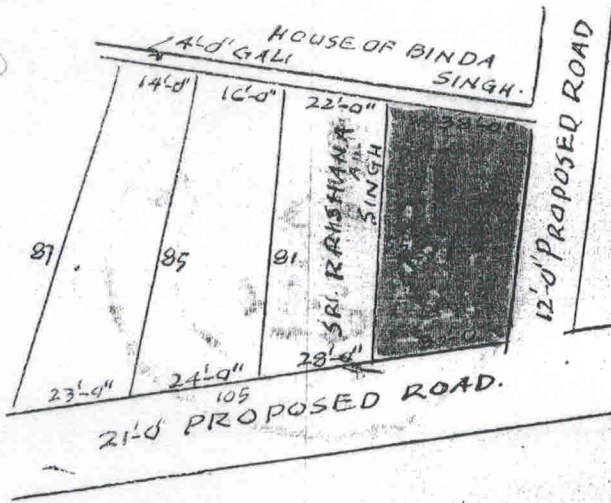
BOSORI JAMA BANDINO <sup>22</sup>/<sub>32</sub> PART PLOT NO 18

AREA B-K-D { 1656 SQ FT.  
O-2-6 { 1656

PURCHASED BY SRI RAMADHAR SINGH

N	AREA	S/O SRI. RAM JANAM SINGH
	B-K-D	DUMKA TOWN DUMKA
	O-2-6	PURCHASED LAND SHOWN IN RED
	1656 SQ FT	N/SIDE:- 4'-0" GALI AND HOUSE OF BINDA SINGH
S		S/SIDE:- 21'-0" PROPOSED ROAD
		E/ " 12'-0" PROPOSED ROAD
		W/ " PART PLOT NO. 18.

Handwritten notes on the left side of the plan, including '28/10/18' and '28/10/18'.



Handwritten notes on the right side of the plan, including '28/10/18' and '28/10/18'.

THE DUPLICATE PLAN IS EXACT AND TRUE COPY OF THE ORIGINAL.

T. B. S. A. 23/1/94

Handwritten signature and date at the bottom of the page.